शनिवार
03 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

टहलना या दौड़ना, सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद क्या ?

पृष्ठ 5

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की वध के सीक्वल पर लगी मुहर!

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 11
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कुल की प्रतिष्ठा भी विनम्रता और सदव्यवहार से होती है, हेकड़ी और रुआब दिखाने से नहीं।
— प्रेमचंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गरीब व महिलाओं का सशक्तिकरण ही हमारी सरकार की प्राथमिकता: धामी

विशेष संवाददाता

पौड़ी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज अपने एक दिवसीय दौरे पर पौड़ी पहुंचे, जहां उन्होंने एक भव्य रोड शो किया। रोड शो में उमड़ी भारी भीड़ ने मुख्यमंत्री पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया तथा इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रांची स्टेडियम कडोलिया में एक जनसभा भी की तथा करोडों रुपए की योजनाओं का लोककर्पण और शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री धामी ने यहां सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा निरंतर जनहित के लिए राज्य में काम किया जा रहा है और अब इसके परिणाम भी हमारे सामने आने शुरू हो गए हैं। उन्होंने केंद्रीय योजनाओं और राज्य सरकार की तमाम जन कल्याण और गरीब कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के लाभार्थियों का ब्यौरा देते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा गरीबों और महिलाओं के कल्याण तथा उनके

❑करोड़ों की योजनाओं का किया शिलान्यास व लोकार्पण
❑रोड शो में उमड़ी भीड़, लोगों ने किया फूलों से स्वागत

सशक्तिकरण के लिए जो काम किए गए हैं या किया जा रहे हैं इससे पहले किसी भी सरकार द्वारा नहीं किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं ने कभी बैंक नहीं देखे थे आज एक करोड़ से अधिक गरीब महिलाओं के बैंक खाते खोले गए हैं। उन्होंने सरकार की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली केंद्र सरकारों द्वारा महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण के बिल को दशकों से लटका कर रखा गया था उसे मोदी सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन बिल को पास करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा अपने छोटे से कार्यकाल में धर्मांतरण और लैंड जिहाद तथा भ्रष्टाचार को लेकर कड़े फैसले लिए गए हैं। सरकारी सेवाओं व भर्तियों में होने वाले भ्रष्टाचार और धांधली को सख्ती से रोका गया है। राज्य में विकास के काम निरंतर जारी हैं और आगे भी जारी रहेंगे।

पिता की हत्या मामले में कलयुगी पुत्र सहित छह बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बदमाशों द्वारा घर में घुसकर प्रापर्टी डीलर की हत्या करने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक के कलयुगी बेटे सहित छह बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या का कारण नशाखोरी व प्रापर्टी पर कब्जा जताना बताया जा रहा है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा इस सनसनीखेज हत्या का खुलासा करते हुए बताया गया कि बीते वर्ष 27 दिसम्बर को अज्ञात बदमाशों द्वारा पनियाला रोड़ स्थित निजी आवास में बनाए गए ऑफिस में गोली मारकर एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर दी गयी थी। मामले के खुलासे में जुटी पुलिस टीमों द्वारा जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि मृतक का बेटा अनुराग नशा करने का आदी है जिसका आपराधिक किस्म के लोगों से मिलना-जुलना भी है। तथा वह उनके कहने सुनने में नहीं है। जिस पर पुलिस ने इस दिशा में काम करना शुरू किया। पता चला कि प्रिंस खटाना नामक एक संदिग्ध अनुराग का परिचित है जो घटना के दिन नोएडा से हरिद्वार आया था। इस पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो प्रिंस खटाना ने बताया कि उसने अनुराग के कहने पर जोगिंदर की हत्या

❑बदमाशों को दी गयी थी हत्या की सुपारी

करायी थी। जिसकी निशांदेही पर पुलिस ने घटना में सम्मिलित तीनों शूटरों को नोएडा क्षेत्र से दबोच लिया एवं घटना के लिए मोटरसाइकिल उपलब्ध कराने के आरोपी अंशुल को दबोचकर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। पुलिस ने जब मृतक के पुत्र अनुराग से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह पिछले चार पांच सालो से नशा इस्तेमाल करता है। जिसके चलते उसने अपने घर में भी चोरी की थी। जिस पर उसके पिता ने उसके साथ मारपीट की तो उसे गुस्सा आ गया। इस पर उसने प्रिंस खटाना को कहकर अपने पिता की हत्या कराने का षडयंत्र रचा और उसे अंजाम दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त पिस्टल भी बरामद कर ली है।

वीडियो शेयर कर पूनम पांडे बोलीं , 'मैं जिंदा हूं'

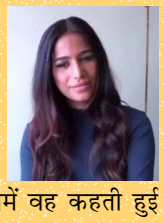

मुंबई। एक्ट्रेस पूनम पांडे जिंदा हैं। 2 फरवरी को पूनम पांडे की टीम ने उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया और सभी को उनके निधन की जानकारी दी थी। पूनम पांडे ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर इस बात की जानकारी दी है कि वह जिंदा हैं। पूनम पांडे ने अपनी मौत की खबर पर सफाई देते हुए एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह कहती हुई नजर आ रही हैं कि, मैं जिंदा हूं, मैं सर्विकल कैंसर से नहीं मर सकती। लेकिन दुखद बात यह है कि इसने उन हजारों महिलाओं की जान ले ली है जो इस बीमारी से निपटने के बारे में ज्ञान की कमी के कारण पैदा हुईं। कुछ अन्य कैंसरों के विपरीत, सर्वाइकल कैंसर पूरी तरह से रोकथाम योग्य है। मुख्य बात एचपीवी वैक्सीन और शीघ्र पता लगाने वाले परीक्षणों में निहित है। हमारे पास यह सुनिश्चित करने के साधन हैं कि इस बीमारी से किसी की जान न जाए। पूनम ने आगे कहा कि, आइए आलोचनात्मक जागरूकता के साथ एक-दूसरे को सशक्त बनाएं और सुनिश्चित करें कि हर महिला को उठाए जाने वाले कदमों के बारे में जानकारी हो। क्या किया जा सकता है इसके बारे में गहराई से जानने के लिए बायो में दिए गए लिंक पर जाएँ। आइए मिलकर इस बीमारी के विनाशकारी प्रभाव को समाप्त करने का प्रयास करें।

'पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को मिलेगा भारत रत्न'

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता और देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बाबत ऐलान करते हुए कहा कि हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक हैं। उनका भारत के विकास में योगदान अविस्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर हमारे उपप्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है। उन्होंने देश के गृह मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सार्वजनिक

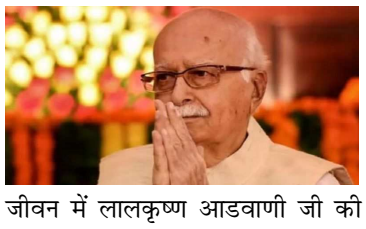

जीवन में लालकृष्ण आडवाणी जी की दशकों लंबी सेवा को पारदर्शिता और अखंडता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता द्वारा चिह्नित किया गया है, जिसने राजनीतिक नैतिकता में एक अनुकरणीय मानक स्थापित किया है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने की दिशा में अद्वितीय प्रयास किए हैं। उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। मैं इसे हमेशा अपना सौभाग्य मानूंगा कि मुझे उनके साथ बातचीत करने और उनसे सीखने के अनगिनत अवसर मिले।

अभी हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री रहे और अन्य पिछड़ा वर्ग के बड़े नेता कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न के लिए चुना गया। भारत रत्न पुरस्कार भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है, जिसे साल में 1954 में सबसे पहले पूर्व राष्ट्रपति डॉ। सर्वपल्ली राधाकृष्णन को दिया गया था। भारत रत्न उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने सार्वजनिक सेवा, साहित्य, विज्ञान और कला जैसे क्षेत्रों में असाधारण काम किया हो। एक साल में अधिकतम 3 लोगों को भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है।

दून वैली मेल

संपादकीय

आएगा यूसीसी, छाएगा यूसीसी

जी हां! आएगा यूसीसी और अब छाएगा भी यूसीसी। भूल जाइए की यूसीसी केंद्र का मुद्दा था या राज्य का। उत्तराखंड के सीएम धामी ने इसकी घोषणा की और इसका ड्राफ्ट तैयार कराया और अब ड्राफ्ट पर केंद्र में बैठे नेताओं से मशवरा करने वह दिल्ली पहुंच गए हैं। एक दो दिन में ही इसका विधिक परीक्षण भी हो जाएगा और इसे कैबिनेट की मंजूरी भी मिल जाएगी। कुछ ही दिनों की बात है यूसीसी न सिर्फ उत्तराखंड में लागू हो जाएगा बल्कि लोकसभा चुनाव से पूर्व इसे पूरे देश में लागू कर दिया जाएगा। इसमें किसी को कोई संशय नहीं होना चाहिए। यूसीसी क्या है अभी इसके बारे में सिर्फ सही जानकारी यही है कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भाजपा की परिकल्पना के सफर में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) वह मील का पत्थर है जो सभी देशवासियों को धर्म, जाति, क्षेत्र और संप्रदाय से ऊपर उठकर एक देश एक विधान और एक संविधान की परिसीमा में बाधेंगा। भले ही इस देश की अनेकता में एकता बड़ी पहचान और विशेषता रही हो, अपनी अलग-अलग भाषा बोली, रीति रिवाज और वेशभूषा अलग-अलग रहे हो लेकिन देश के सभी लोगों के लिए अब कानून एक समान ही होगा। अब तक जैसे सभी धर्म और संप्रदायों द्वारा अपने-अपने विधान और संविधान के हिसाब से समाज को संचालित किया जाता रहा है वह अब आगे इस देश में नहीं चलेगा। अभी बीते कल ही यूसीसी का ड्राफ्ट समिति द्वारा मुख्यमंत्री धामी को सौंपा गया है जो सदन के पटल पर रखे जाने तक एक गोपनीय दस्तावेज है लेकिन इसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी न होने के बावजूद भी सोशल मीडिया से लेकर प्रिंट मीडिया तक तमाम तरह की खबरें छाई हुई है। भले ही यह खबरें हवा हवाई ही सही लेकिन इस यूसीसी को लेकर होने वाली चर्चाओं और उसके असर लोगों की चिंता को बढ़ाने के लिए काफी है। पूरे देश की निगाहें अब उत्तराखंड पर लगी हुई है हर कोई यह जानने के लिए उत्सुक है कि यूसीसी आखिर है क्या? खैर इसका खुलासा भी अब दो-चार दिन में ही हो जाएगा। लेकिन इसके साथ ही यह एक राष्ट्रीय चर्चा का विषय और सबसे बड़ा एक चुनावी मुद्दा भी रहने वाला है। यूसीसी ऐन चुनाव से पूर्व लाये जाने का मकसद भी यही है। हम अभी इसके बारे में सिर्फ इतना ही कह सकते हैं कि यूसीसी महिलाओं के सशक्तिकरण का अहम दस्तावेज हो सकता है। इससे देश की आधी आबादी को अपनी ओर आकर्षित किया जा सकता है। क्योंकि बीते कुछ समय से केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं को सर्वोच्च पदों पर तैनाती दिए जाने का सिलसिला जारी है। केंद्र सरकार द्वारा उन्हे 33 फीसदी आरक्षण देने वाले विधेयक की बात हो या राधा रतूड़ी के राज्य की पहली महिला मुख्य सचिव व रितु खंडूरी के राज्य की पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने की। अब देखना यह होगा कि यूसीसी लोकसभा चुनाव में क्या गुल खिलाता है लेकिन यूसीसी आएगा भी और छाएगा भी यह तय है।

क्लीनिक में घुसकर तिजोरी तोड़ने का प्रयास करने वाला शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दिन दहाड़े क्लीनिक में घुसकर तिजोरी तोड़ने का प्रयास करना एक चोर को भारी पड़ गया। मौके पर ही आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित मोहल्ला चौहानान में डॉक्टर एसएस चौहान का क्लीनिक है। शाम के समय डॉक्टर अपनी क्लीनिक के बाहर किसी से बात कर रहे थे, तभी नजर बचाकर एक शातिर चोर क्लीनिक में घुस आया और अंदर रखी तिजोरी तोड़ने लगा, जिसे मौके पर ही पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपित ने अपना नाम शाकिर पुत्र शकील अहमद निवासी ग्राम इक्कड खुर्द थाना पथरी बताया। आरोपित चोरी के मामले में पहले भी कई बार जेल की यात्रा कर चुका है। उसके खिलाफ ज्वालापुर थाने में 4 और 1 कनखल थाने में मुकदमा दर्ज है आरोपित को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

स्रक्वे द्रप्सस्य धमतः समस्वरन्नृतस्य योना समरन्त नाभयः।
त्रीन्स मूर्ध्नो असुरश्चक्र आरभे सत्यस्य नावः सुकृतमपीपरन।।
(ऋग्वेद ९-७३-१)

परमात्मा ने तीन प्रकार अर्थात सत्व, रजस, और तमस् को समस्त सृष्टि में प्रकट किया है। एक कण से दूसरे कण को जोड़ा है। सभी प्रणाली और उनकी उप-प्रणालियों को संचालित किया है। सृष्टिकर्ता की लहरों और कणों की धाराएं एक स्वर में गाती हैं। उसने जीवन के सभी रूपों को बनाया है।

पंचायतों का कार्यकाल दो वर्ष बढ़ाने को दिया 3 घंटे धरना

कार्यालय संवाददाता

पिथौरागढ़। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के बैनर तले जिले के आठ विकास खंडों से पहुंचे ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा जिला पंचायत सदस्यों ने पंचायतों का कार्यकाल 2 वर्ष बढ़ाने की मांग उठाई। इस मांग के समर्थन में जिलाधिकारी कार्यालय के आगे तीन घंटे धरना दिया ओर अपने मांगो के समर्थन में नारेबाजी भी की।जिलाधिकारी रीना जोशी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा।

जिलाधिकारी कार्यालय के धरना स्थल पर जमा हुए जिलेभर के त्रिस्तरीय पंचायतों के प्रतिनिधियों ने अपने प्रदेशव्यापी आवाहन पर 3 घंटे तक अपने मांगों के समर्थन में धरना दिया तथा नारेबाजी की। इस मौके पर हुई सभा का संचालन ग्राम प्रधान संगठन के प्रदेश महामंत्री कुंडल सिंह महर ने किया।

सभा में संगठन के कार्यक्रम संयोजक जगत मर्तोलिया ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायतों के कार्यकाल बढ़ाने के लिए वैधानिक आधार मौजूद है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001 में उत्तराखंड की सरकार ने अधिसूचना जारी कर पंचायत का कार्यकाल 1 वर्ष 3 माह तक बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अध्यादेश लाकर दो वर्ष कार्यकाल बढ़ाए जाने का कानूनी आधार एवं संवैधानिक व्यवस्था भी मौजूद है। इसके लिए तीनों पंचायत के प्रतिनिधि

❑जिलाधिकारी रीना जोशी को सौंपा सीएम और पीएम के नाम का ज्ञापन

सरकार पर लगातार दबाव बनाते रहेंगे।

ग्राम प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष श्याम सुंदर सिंह सौन ने कहा कि आज पूरी प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतें अपना कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर एकजुट हुई है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के हर भूभाग में पंचायत का नेटवर्क है। सरकार को एक ना एक दिन इस मांग को मनाना ही होगा।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान संगठन मुनस्यारी के ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमय्या, पौण के प्रधान राजेश कुमार, जिला पंचायत सदस्य प्रदीप गिरी, डीडीहाट के प्रधान प्रवीण कुमार, ग्राम प्रधान संगठन विण के ब्लॉक अध्यक्ष महिपाल सिंह वल्दिया, मूनाकोट की ब्लॉक अध्यक्ष सरोज चंद,कनालीछीना के ब्लॉक अध्यक्ष रवींद्र कुमार, डीडीहाट के ब्लॉक अध्यक्ष हरीश कन्याल, धारचूला के ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह मेहता,ममता बोरा, मुनस्यारी के क्षेत्र प्रमुख भावना देवी, देवराम, देवराज रावत, जिला पंचायत सदस्य गंगोत्री दत्ताल, नीलांबर जोशी, प्रियंका पांडे, बेरीनाग के प्रकाश राम, धारचूला की चंपा देवी ने विचार व्यक्त किए। जिले के आठ विकास खंडों के पंचायत प्रतिनिधियों ने तय किया गया है कि प्रदेश संचालन समिति के माध्यम से आगे जो भी कार्यक्रम दिया जाएगा।उसमें समस्त पंचायत प्रतिनिधि बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

यूसीसी के समर्थन में पूर्व मंडी अध्यक्ष चोपड़ा ने चलाया जन जागरण अभियान

संवाददाता

हरिद्वार। यूसीसी के प्रचार प्रसार के लिए भाजपा नेता संजय चोपडा ने नुक्कड नाटकों के माध्यम से जन जागरण अभियान चलाया।

आज यहां उत्तराखंड सरकार की और से यूनिफॉर्म सिविल कोड सम्मान नागरिक संहिता राज्य में लागू किए जाने की योजना का पूर्ण समर्थन करते हुए पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष, भाजपा नेता संजय चोपड़ा की अगवाई में सम्मान नागरिक संहिता की प्रचार प्रसार को लेकर गऊघाट चौक पर बिरला चौक, बड़ी सब्जी मंडी चौक, विष्णु चौक इत्यादि क्षेत्रों में नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से जन जागरण अभियान चलाकर सम्मान नागरिक संहिता के प्रति आम नागरिकों को जागरूक किया।

इस अवसर पर संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सम्मान नागरिकता संहिता यूसीसी जैसा कानून उत्तराखंड में सबसे पहले लागू होगा जो कि उत्तराखंड राज्य के लिए एक गौरव का विषय है। उन्होंने कहा उत्तराखंड में भाजपा सरकार द्वारा अपनी घोषणा पत्र को संकल्पित करते हुए उत्तराखंड राज्य को एक नई सौगात दी जा रही है जो कि हर्ष का विषय है।

संजय चोपड़ा ने कहा यूसीसी के कानून के प्रति जागरूकता का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा जो लोग इस कानून का विरोध कर रहे हैं उनका विरोध किया जाना न्याय संगत नहीं है। यूसीसी कानून के ड्राफ्ट को बनाने के लिए कानूनी रूप से कई अध्ययन करने के उपरांत सार्वजनिक तौर पर जनता की राय लेकर यह मोसुदा तैयार किया गया है इसीलिए उत्तराखंड की जनता किसी के भ्रम में आने वाली नहीं है सम्मान नागरिक संहिता राज्य में लागू होने के उपरांत उत्तराखंड सरकार की और से यह एक ऐतिहासिक काम होगा जो की इतिहास में दोहराया जाता रहेगा।

दिव्यांग शिक्षकों के दुर्गम में ट्रांसफरों को निरस्त करने की मांग

संवाददाता

देहरादून। दिव्यांग शिक्षकों के दुर्गम में ट्रांसफर निरस्त करने की मांग को लेकर भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के संयोजक अमित डोभाल ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजा।

आज यहां भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के संयोजक अमित डोभाल ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजते हुए बताया कि दिव्यांग शिक्षको का स्थानांतरण एक्ट 2017 के अनुसार जून 2023 विद्यालयी शिक्षा द्वारा जो ट्रांसफर किए गए थे उसके अनुसार उन दिव्यांग शिक्षकों के भी सुगम से दुर्गम में ट्रांसफर कर दिए गए थे जो 40 प्रतिशत दिव्यांग थे। जबकी ऐसा ट्रांसफर एक्ट में दिव्यांगता की परिभाषा मे जो त्रुटि थी उसके कारण हुआ था जिसके संशोधन हेतु 2020 से लगातार दिव्यांग कर्मियों द्वारा शासन से मांग की जा रही थी जिस पर 24 को शासन ने ट्रांसफर एक्ट में इस त्रुटि को संशोधित करते हुए दिव्यांगता की परिभाषा में दिव्यांगजनों की 40 प्रतिशत श्रेणी को भी शामिल कर दिया और समस्त विभागो को तदानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।इसी क्रम में निदेशक माध्यमिक शिक्षा द्वारा भी 1 दिसंबर को ट्रान्सफर एक्ट में 40% दिव्यांगता के आदेश पर अग्रेत्तर कार्यवाही करने हेतु अपर शिक्षा निदेशक गढ़वाल मंडल/ कुमाऊ मंडल को कहा गया था। लेकिन अभी तक उन दिव्यांगजनों के ट्रांसफर निरस्त करने पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। जिनका ट्रांसफर इस त्रुटि के कारण सुगम से दुर्गम मे कर दिया था। अमित डोभाल ने कहा कि जिनका ट्रांसफर इस त्रुटि के कारण सुगम से दुर्गम मे हुआ है ये 40 प्रतिशत दिव्यांग शिक्षको के साथ अन्याय है दुर्गम में परिस्थिति इतनी खराब है जिससे इन दिव्यांग शिक्षकों को अंत्यत परेशानियों से गुजरना पड़ता है। इसलिए इनका ट्रांसफर शीघ्र किया जाना नितांत आवश्यक है क्योकि यदी अन्य लोगो के साथ आवेदन किया गया तो इनकी इच्छित जगह किसी और को भी मिल सकती है और पुनः इनके साथ अन्याय हो सकता है। इसलिए राज्य के सभी 40 प्रतिशत श्रेणी के दिव्यांग शिक्षकों जिनके ट्रांसफर जून 2023 में इस त्रुटि के कारण सुगम से दुर्गम में कर दिए गए उनके ट्रांसफर शीघ्र निरस्त किये जाने हेतु अपने स्तर से संबंधित को निर्देशित करें तथा उन दिव्यांग शिक्षको को उनके सुगम के मूल विद्यालय में वापस भेजने या उन दिव्यांग शिक्षको से शीघ्र विकल्प मांगकर उनकी इच्छित स्थान में उनका ट्रांसफर कराने हेतु विभाग को आदेशित करें।

ममता की है दबाव की राजनीति

मोहन कुमार

पश्चिम बंगाल की मुख्मयंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी क्या दबाव की राजनीति कर रही है या सचमुच उनका इरादा पश्चिम बंगाल में अकेले लडने् का है? उन्होंने बुधवार को मीडिया के सामने आकर कहा कि वे राज्य की सभी 42 सीटों पर अकेले लड़ेंगी। उससे पहले उनकी ओर से कहा जा रहा था कि वे कांग्रेस को दो सीटें दे सकती हैं। उन्होंने कांग्रेस को उसकी जीती हुई बहरामपुर और माल्दा दक्षिण की सीट देने का प्रस्ताव दिया था, जिसे प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ममता बनर्जी की दया की जरुरत नहीं है।

कांग्रेस के जानकार सूत्रों का कहना है कि अधीर रंजन चौधरी ने पार्टी आलाकमान को बताया कि पांच-छह सीटें तो वे अपने दम पर कांग्रेस को मजबूती से लड़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार जब भाजपा और तृणमूल के बीच आमने सामने की लड़ाई थी तब लेफ्ट का सफाया हो गया लेकिन कांग्रेस दो सीट जीतने में कामयाब रही। इस बार वे कांग्रेस की स्थिति बेहतर मान रहे हैं।

यही कारण है कि कांग्रेस घुटने नहीं टेक रही है। वह ममता बनर्जी की ओर से दिए जा रहे दो सीटों के प्रस्ताव को नहीं मानेगी। तभी कहा जा रहा है कि ममता ने दबाव की राजनीति के तहत आखिरी दांव चला है कि वे सभी सीटों पर लड़ेंगी। असल में उनके बयान से एक दिन पहले मंगलवार को सीपीएम ने कहा था कि अगर राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में तृणमूल कांग्रेस के नेता शामिल होंगे तो सीपीएम उसमें हिस्सा नहीं लेगी। इसके बाद ही ममता ने नाराजगी जताई और यहां तक कह दिया कि कांग्रेस की ओर से उनको राहुल की यात्रा की सूचना नहीं दी गई है।

हकीकत यह है कि मल्लिकार्जुन खडके और राहुल गांधी दोनों ने ममता बनर्जी को आधिकारिक रूप से सूचना दी थी। लेकिन ममता को दबाव बनाना था तो उन्होंने कह दिया। जानकार सूत्रों का कहना है कि यह तय हो गया है कि लेफ्ट मोर्चा बंगाल में गठबंधन में नहीं रहेगा लेकिन कांग्रेस के साथ चार या पांच सीटों पर समझौता हो सकता है। असल में ममता बनर्जी को भी लग रहा है कि मुस्लिम मतदाताओं का रूझान इस बार कांग्रेस की ओर है। इसलिए वे वोट का बंटवारा नहीं चाहती हैं। सो, संभव है कि दोनों पार्टियां अपने अपने स्टैंड से पीछे हटें और समझौता कर लें।

लेफ्ट पार्टियां सिर्फ समस्या बढ़ा रही हैं

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में पहले माना जा रहा था कि सबसे ज्यादा समस्या ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की वजह से होगी। ममता बनर्जी समस्या पैदा कर रही हैं लेकिन केजरीवाल सीट बंटवारे से लेकर परदे के पीछे से सीटों की एडजस्टमेंट या दोस्ताना लड़ाई के लिए भी तैयार हैं। उनके साथ कांग्रेस की बहुत अच्छी वार्ता चल रही है और चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में दोनों पार्टियों ने तालमेल कर भी लिया है।

विपक्षी गठबंधन में सबसे ज्यादा समस्या वामपंथी पार्टियों की ओर से पैदा की जा रही हैं। केरल छोड़ कर कहीं भी लेफ्ट पार्टियों का आधार नहीं बचा है लेकिन उनको हर जगह सीट चाहिए। लेफ्ट को ऐसे राज्यों में भी सीट चाहिए, जहां अपने अच्छे दिनों में भी वह कोई सीट नहीं जीतती थी। हो सकता है कि यह दबाव की राजनीति हो लेकिन इससे विपक्षी गठबंधन में कंफ्यूजन बन रहा है।

लेफ्ट ने बंगाल में ममता के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया है और केरल में वैसे भी सत्तारूढ़ गठबंधन यानी लेफ्ट मोर्चा और मुख्य विपक्षी यानी कांग्रेस मोर्चा में तालमेल ठीक नहीं होगा। सो, इन राज्यों में लेफ्ट गठबंधन से अलग है। बाकी राज्यों में उसके पास कोई राजनीतिक पूंजी नहीं है। फिर भी उसे हर जगह सीट चाहिए। सोचें, लेफ्ट पार्टियों ने हरियाणा में भी लोकसभा की सीट मांगी है। उन्हें राजस्थान में भी सीट चाहिए तो महाराष्ट्र में भी सीट चाहिए। लेफ्ट ने तेलंगाना में भी सीट मांगी है तो झारखंड में भी एक सीट की दावेदारी की है। बिहार में तो 1० सीटों की मांग करके लेफ्ट की पार्टियां कम से कम चार सीटों पर अड़ी हैं, जहां राजद और जदयू दो सीटें मुश्किल से निकाल पा रहे हैं। वैचारिक या सांगठनिक रूप से लेफ्ट किसी तरह का वैल्यू एडिशन विपक्षी गठबंधन में नहीं कर पा रहा है लेकिन सीट बंटवारे में उसकी वजह से बाधा आ रही है। (आरएनएस)

आसान नहीं होगा समान नागरिकता कानून लागू करनाः गरिमा दसौनी

हमारे संवाददाता

देहरादून। राज्य सरकार द्वारा आगामी विधानसभा सत्र में समान नागरिकता कानून को पारित करने के संबंध में उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने प्रतिक्रिया दी है। दसौनी ने कहा की यूसीसी पर राज्य और केंद्रीय सरकार ने अभी तक कोई ड्राफ्ट (मसौदा) जनसामान्य के सामने प्रस्तुत नही किया गया है, यदि सरकार ड्राफ्ट प्रस्तुत करती तो यह पता चल जाता कि सरकार किन-किन विषयों पर एकरूपता/समानता चाहती है।

दसौनी ने कहा कि यह समवर्ती सूची का विषय है, अर्थात इस विषय पर केन्द्र और राज्य दोनो ही कानून बना सकते है, किंतु जब कभी केन्द्र कानून बनायेगा तो वही अंब्रेला लॉ होगा, तब राज्यों के बने कानून निष्प्रभावी होंगे या विलय हो जाएंगे। कहा कि भारत में गोवा के अलावा कहीं भी यह कानून लागू नहीं है गोवा में भी तब लागू हुआ था जब गोवा में पुर्तगाल का शासन था और गोवा भारत का हिस्सा नहीं था।

दसौनी ने कहा की संविधान के भाग 3 मूलाधिकारो में संशोधन करना आसान नहीं? क्या संविधान संशोधन सुप्रीम कोर्ट में वैधानिकता पायेगा? बताया कि अनुच्छेद 368 में संसद को असीमित शक्तियां नहीं हैं। दसौनी ने कहा कि समान नागरिक संहिता/यूनिफॉर्म सिविल कोड को सरल भाषा में समझे तो भारत के हर नागरिक के लिए एक समान कानून हो, चाहे वह किसी भी जाति,धर्म का हों समान नागरिक संहिता में शादी, तलाक, दत्तक ग्रहण, संपत्ति आदि में सभी धर्मों के लिए एक समान कानून की परिकल्पना है।

दसौनी ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है, यहा अतीत से ही धर्म पर आधारित पर्सनल लॉ बने हुए है, जैसे हिन्दू पर्सनल लॉ के तहत: हिन्दू दत्तक ग्रहण एवम भरण पोषण अधिनियम 1956, हिन्दू विवाह अधिनियम 1955, हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956,(संशोधित 2005) आदि वैसे ही मुस्लिम पर्सनल लॉ में भी अनेकों निजी कानून है, जिनमे कुछ कोडीफाइड नहीं है। कहा की समान नागरिक संहिता लागू करने से पहले सभी पर्शनल लॉ को संशोधित या समाप्त करना होगा। दसौनी ने धामी सरकार से पूछा कि संविधान के भाग 3 मूलाधिकार (अनुच्छेद 12से 35तक) जो आधारभूत ढांचे है,इसमें कैसे संशोधन होगा? दसौनी ने कहा क्योंकि संविधान के भाग चार को भारत का अधिकार पत्र भी कहा जाता है ।

भारतीय संविधान के भाग 3 में मूलाधिकार (अनुच्छेद 12से35 तक) में प्रदत्त अधिकार, नागरिकों के मूलाधि कार है, इन्हे अनुच्छेद 368 के तहत ही संसद द्वारा बहुमत से संशोधित तो किया जा सकता है, किंतु मूलाधिकार संविधान का बेसिक स्ट्रक्चर है, इसे बदले या छेड़छाड़ किए बिना संसद कोई कानून बना सकती है। संविधान में संसद को संशोधन की शक्ति विस्तृत है, किंतु असीमित नही है, संसद इस शक्ति का प्रयोग करके संविधान के आधारभूत ढांचे में परिवर्तित नहीं कर सकती है।

दसौनी ने कहा कि राज्य को समान नागरिक संहिता लागू करने का अधिकार तो है, पर केवल राज्य ही क्यों केन्द्र सरकार क्यों बच रही समान नागरिक संहिता कानून लाने से?

हरिद्वार में पुलिस सेल्फबैलेंसिंग स्कूटर से करेगी गश्त

संवाददाता

देहरादून। स्मार्ट पुलिसिग की ओर एक ओर कदम बढाते हुए हरिद्वार में पुलिस सेल्फ बैलेसिंग स्कूटर से गश्त करेगी। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

आज यहां अभिनव कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड ने पुलिस मुख्यालय से हरी झंडी दिखाकर 04 सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर हरिद्वार को रवाना किये। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक की ओर से उत्तराखण्ड पुलिस को 04 सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटर सौंपे गए हैं। पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने बताया कि संकरी गलियों में आसानी से चलने की क्षमता रखने वाले यह स्कूटर भीड़ प्रबंधन में मदद करेंगे। साथ ही यह इलेक्ट्रिक स्कूटर पर्यावरण के अनुकूल भी हैं। हरिद्वार के 08 कर्मियों को इन सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटरों को चलाने का प्रशिक्षण भी दिया गया है। भविष्य में मसूरी मॉल रोड़, देहरादून पलटन बाजार में भी इनका उपयोग किया जाएगा। सेल्फ बैलेंसिंग इलेक्ट्रिक स्कूटरों को चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 08 कर्मियों को पुलिस महानिदेशक द्वारा प्रशस्ति पत्र भी दिए गए। इस अवसर पर अमित सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन, ए पी अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, नीलेश आन्नद भरणे, पुलिस महानिरीक्षक, पी/एम, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक से सुयश आन्नद, सन्तोष रंजन सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑफिस में किस तरह की डाइट होनी चाहिए

सुबह उठते ही ऑफिस की व्यस्तता शुरू हो जाती है। जल्दी में नाश्ता करके आपको ऑफिस जाना है। आपको पूरे दिन काम पर रहना होगा। लंबे समय तक खाना नहीं खाने या भूख को संतुष्ट करने की जल्दी में अस्वास्थ्यकर स्नैक्स खाना एक दैनिक दिनचर्या बन जाती है। फिर, सप्ताहांत में थकान के कारण व्यायाम उचित नहीं हो पाता है। सभी में, अनियमितता कर्मचारियों का नियम बन गई! हालांकि, स्वस्थ रहने के लिए उचित आहार और नियमित व्यायाम का कोई विकल्प नहीं है। व्यस्त जीवन में भी आहार योजना का पालन करने का तरीका जानें-

घर का बना खाना ऑफिस ले जाएं

जितना हो सके बाहर के खाने से बचें। घर का बना खाना ऑफिस ले जाएं। यह शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ आपको अनावश्यक खर्चों से भी बचाएगा।

ऑफिस के बाद चलें

हो सके तो ऑफिस की छुट्टियों के बाद थोड़ा टहलें। जिनके घर और कार्यालय से कम दूरी है वे पैदल आ-जा सकते हैं। यह आपको स्वस्थ और क्रियाशील रखेगा।

हाथ पर पानी की बोतल बंद रखें

पहुंच के भीतर पानी की बोतल रखें ताकि व्यस्त कार्यक्रम में ठीक से पानी पीना न भूलें। नियमित रूप से पानी पीने से आप विभिन्न बीमारियों से दूर रहेंगे।

साथ में मेवे डालें

काम के अंतराल में कई बार अचानक भूख लग जाती है, लेकिन खाने का समय नहीं होता है। इस समय आप तुरंत नट्स चबा सकते हैं। जब आप ऑफिस जाएं तो अपने साथ नट्स ले जाएं।

नियमित रूप से फल खाएं

आप काम के बीच में फल खा सकते हैं। जिस तरह कटे हुए फल को खाने में देर नहीं लगती, उसी तरह यह अच्छे स्वास्थ्य को भी बनाए रखता है। अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए जंक फूड और कोल्ड ड्रिंक्स से बचने का कोई विकल्प नहीं है।

करे कोई, भरे कोई

दुनिया के सबसे धनी एक प्रतिशत लोग उससे भी ज्यादा कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं, जितना सबसे गरीब 66 फीसदी लोग करते हैं। ये लोग एयरकंडीशंड माहौल में रहते हैं, जबकि उनकी करनी का फल गरीबों को भुगतना पड़ रहा है।

दुनिया जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम भुगत रही है। संयुक्त राष्ट्र यह ताजा चेतावनी है कि अभी जो रफ्तार है, उससे ही सब कुछ चलता रहा, तो इस सदी के अंत तक धरती का तापमान औद्योगिक युग शुरू होने के समय की तुलना में तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका होगा। वैज्ञानिक दशकों से चेतावनी दे रहे हैं कि डेढ़ डिग्री सेल्सियस से ज्यादा बढ़ोतरी का मतलब विनाश है। ऐसा होना शुरू हो चुका है। इसके बावजूद दुनिया में ना सिर्फ सब कुछ यथावत चल रहा है, बल्कि अब तो दिशा भी पलट रही है।

कोरोना महामारी और यूक्रेन युद्ध के बाद बनी परिस्थितियों में यूरोपीय देशों में भी वैसी ऊर्जा का चलन बढने़ लगा है, जो पहले जलवायु की समस्या को लेकर अधिक संवेदनशील नजर आते थे। तो आखिर ऐसा कैसे और क्यों हो रहा है? हालांकि यह कोई नया तथ्य नहीं है, लेकिन एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट ने इस पहलू को उजागर किया है। गैर-सरकारी संस्थाओं ऑक्सफेम और स्टॉकहोम इनवायरनमेंट इंस्टीट्यूट ने अपने अध्ययन से इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि दुनिया के सबसे धनी एक प्रतिशत लोग उससे भी ज्यादा कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं, जितना सबसे गरीब 66 फीसदी लोग करते हैं।

इस अध्ययन में बताया गया है कि दुनिया के सात करोड़ 7० लाख लोग एक प्रतिशत अमीर की श्रेणी में आते हैं। इनमें अरबपतियों और करोड़पतियों के अलावा वे लोग शामिल हैं, जिनकी सालाना आय एक लाख 4० हजार अमेरिकी डॉलर (साढ़े 11 करोड़) से ज्यादा है। यह रिपोर्ट 2०19 के आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई है। उसके मुताबिक कुल कार्बन उत्सर्जन में इस एक फीसदी आबादी का हिस्सा 16 प्रतिशत है।

ये वो तबका है, तो असल में दुनिया पर राज कर रहा है- जो सारी नीतियों और निर्णयों को अपने मुताबिक ढलवाने में कामयाब रहता है। यह तबक अपनी जीवन शैली पर कोई समझौता नहीं करना चाहता। रिपोर्ट में इसे कार्बन इलीट कहा गया है, जो एयरकंडीशंड माहौल में रहते हुए जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष परिणामों से बचा रहता है। जबकि उसकी करनी का असर वे आम लोग रहे हैं, जिनका उत्सर्जन में योगदान बेहद कम है। (आरएनएस)

दिल्ली में कौन चला रहा है सरकार?

मोहन कुमार

दिल्ली की चुनी हुई अरविंद केजरीवाल सरकार और उप राज्यपाल के बीच ऐसी ठनी है कि किसी को समझ में नहीं आ रहा है कि सरकार कौन चल रहा है। इन दोनों के बीच विवाद का नतीजा यह हुआ है कि छोटी छोटी बातों के लिए लोग अदालत जा रहे हैं और अदालती फैसलों से सरकार चलती दिख रही है। रोजमर्रा के प्रशासन से जुड़े मामलों में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले आ रहे हैं। इसका मतलब है कि राजधानी दिल्ली में गवर्नेंस का ढांचा ठीक से काम नहीं कर रहा है। हैरानी होती है कि कैसी छोटी छोटी बातों पर हाई कोर्ट को फैसला देना होता है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को आदेश दिया कि मथुरा रोड पर दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास फ्लाईओवर के ऊपर यू टर्न को चालू किया जाए। सोचें, क्या यह मामला हाई कोर्ट के विचार के लायक है? इसी तरह सोमवार को ही हाई कोर्ट ने एक अन्य फैसले में इस बात पर नाराजगी जताई कि छह स्कूलों की इमारतें बन कर तैयार हैं लेकिन पैसे बकाया होने की वजह से उनका कब्जा नहीं लिया जा सका है। अदालत ने स्कूलों का कब्जा लेकर उनमें पढ़ाई शुरू कराने का आदेश दिया। इसी तरह एक मृत पुलिसकर्मी के परिजनों को एक करोड़ रुपए देने का आदेश भी हाई कोर्ट ने दिया है।

दिल्ली में रोजमर्रा के कामकाज को लेकर दिए जा रहे अदालत के आदेशों की लंबी सूची बन सकती है। सवाल है कि क्यों अदालत को सरकार चलाने की जिम्मेदारी निभानी पड़ रही है? दिल्ली में प्रशासन के कई ढांचे हैं। एक दिल्ली सरकार है, दिल्ली नगर निगम है, उप राज्यपाल के जरिए केंद्र का शासन है और सेना का प्रशासन है। इसके बावजूद फैसले नहीं हो रहे हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के बीच जंग चल रही है। उप राज्यपाल दिल्ली सरकार के हर फैसले को पलटने के लिए तैयार बैठे हैं तो दूसरी ओर केजरीवाल सरकार भी कामकाज की बजाय टकराव बढ़ाने में लगी है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

टहलना या दौड़ना, सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद क्या ?

सेहतमंद रहने के लिए हेल्थ एक्सपर्ट हमेशा एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं। सबसे आसान और बेस्ट एक्सरसाइज की बात जब होती है तो वॉकिंग और रनिंग का नाम सबसे पहले आता है। आप दौड?र या नियमित रूप से टहल कर अपने आपको फिट और सेहतमंद रख सकते हैं। लेकिन जब बात बेस्ट की होती है तो लोग कंफ्यूज हो जाते हैं कि टहलना ज्यादा अच्छा है या फिर दौडऩा। आपको बता दें कि फिटनेस के मामले में दोनों ही एक्सरसाइज बेस्ट हैं। हालांकि इनका सेहत पर अलग अलग तरह से असर होता है।चलिए जानते हैं कि टहलने और दौडने़ के स्वास्थ्य संबंधी फायदे क्या क्या हैं।

टहलने के फायदे

टहलना सेहत को फिट रखने के लिए अच्छा होता है। इससे आपका शरीर एक्टिव रहता है और खाना सही से पचता है। जिन लोगों को डायबिटीज है, उन्हे ब्लड शुगर को नियंत्रित करने के लिए लगातार टहलना चाहिए। तनाव, चिंता, एंजाइटी, नींद की कमी, एकाग्रता की कमी आदि दूर होती हैं। बीमार और बुजुर्ग लोग जो ज्यादा एक्सरसाइज नहीं कर सकते, उनको टहलने से सेहत संबंधी लाभ मिल सकते हैं। टहलने का एक लाभ ये भी है कि आप इस एक्सरसाइझ को किसी भी उम्र में कर सकते हैं। टहलने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है और इसे आंखों के लिए भी फायदेमंद बताया गया है।

दौडने़ के फायदे

टहलने की तरह दौडने़ यानी रनिंग के भी ढेर सारे फायदे हैं। दुनिया में जिस तरह तेजी से मोटापा बढ़ रहा है,ऐसे में रनिंग वेट लॉस करने के लिए एक बेस्ट ऑप्शन बन गया है। दौडने़ से बहुत सारी कैलोरी और फैट बर्न होता है और इसी वजह से मोटापा कम होता है। दूसरी तरफ दौडने़ से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। दिल को बेहतर रखने के लिए दौडऩा एक अच्छी एक्सरसाइज साबित होती है।

इंडियन पुलिस फोर्स को ओटीटी पर मिला जबरदस्त रिस्पांस

फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ने अपनी पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स के साथ ओटीटी पर कदम रखा। शो ने सप्ताहांत में आश्चर्यजनक रूप से शानदार दर्शक हासिल किए। यह शो के लिए एक जबरदस्त सफलता का संकेत है। सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय अभिनीत इंडियन पुलिस फोर्स दिल्ली पुलिस अधिकारी कबीर मलिक की गंभीर दुनिया पर प्रकाश डालती है, जहां वह प्रतिद्वंद्वी जरार का सामना करते है, जिसने आतंकवाद का रास्ता अपना लिया है।

एक्शन से भरपूर दृश्यों और हाई-ऑक्टेन ड्रामा के लिए रोहित की विशिष्ट प्रतिभा पूरी सीरीज में स्पष्ट है, जो इसे दर्शकों के लिए एक दिलचस्प घड़ी बनाती है। पहली वेब सीरीज ने न केवल शेट्टी की सिनेमाई शैली के प्रशंसकों को आकर्षित किया है, बल्कि व्यापक दर्शकों को ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर भी आकर्षित किया है।

शो को लेकर व्यापक दर्शक इसकी यूनिवर्सल अपील को दर्शाता है जो बाधाओं को तोड़ता है और विभिन्न जनसांख्यिकी के दर्शकों तक पहुंचता है।

कलाकारों के शानदार प्रदर्शन के साथ दिल को छू लेने वाली कहानी ने दर्शकों को भारतीय पुलिस बल को महज एक अपराध ड्रामा से ऊपर उठाकर प्रभावित किया है।

वेब सीरीज एक रोमांचक रूप में सामने आती है, जो न्याय की निरंतर खोज और कर्तव्य की पंक्ति में किए गए बलिदानों को दर्शाती है। डिजिटल क्षेत्र में उनका प्रवेश एक फिल्म निर्माता के रूप में उनकी अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है।

शब्द सामर्थ्य - 62

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

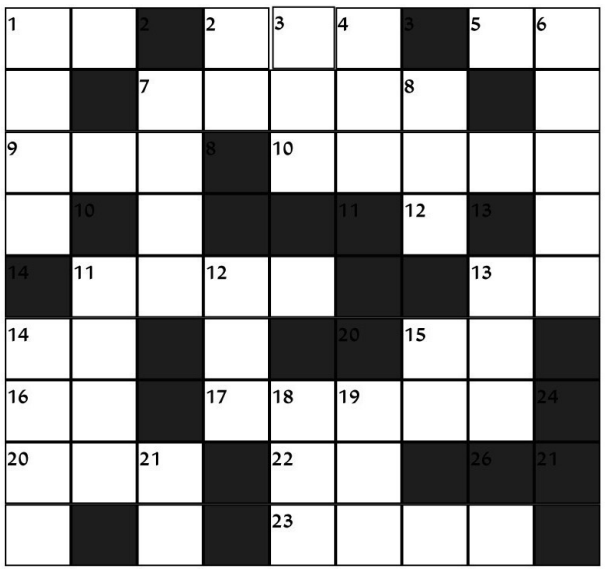

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 61 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

शैतान फिल्म में आमने-सामने दिखे अजय देवगन और आर माधवन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आने वाली नई फिल्म शैतान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जो एक अलौकिक थ्रिलर है। फिल्म में अजय देवगन अभिनेता आर माधवन और ज्योतिका के साथ नजर आएंगे। हाल ही में अजय देवगन ने फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए फिल्म का नाम और रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया था। फिर उन्होंने टीजर रिलीज डेट का भी एलान कर दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया था। वहीं, अब फैंस के इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म का दमदार टीजर भी रिलीज कर दिया है।

अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर अलौकिक थ्रिलर की दुनिया की झलक दिखाने वाला शैतान का एक दिलचस्प टीजर साझा किया। टीजर में अजय देवगन और ज्योतिका को भयभीत दिखाया गया है और पृष्ठभूमि में एक आवाज सुनाई दे रही है। वे कहते हैं कि दुनिया पूरी तरह से बहरी है, लेकिन हर कोई मेरी बात सुनता है। मैं काले से भी गहरा हूं, मैं धोखे का कटोरा हूं। भयावह से निषिद्ध प्रार्थनाओं की प्रार्थना, मैं नरक के नौ चक्रों पर शासन करता हूं। मैं जहर हूं, मैं इलाज भी हूं... मैंने सदियों से सब कुछ चुपचाप देखा है, यहां तक कि एक मूक गवाह भी। मैं रात हूं, मैं शाम हूं, मैं मैं ब्रह्मांड हूं। मैं बनाता हूं, नष्ट करता हूं, खबरदार लोग कहते हैं कि मैं किसी को नहीं छोड़ता। एक खेल है, क्या तुम खेलोगे? इस खेल का एक ही नियम है, चाहे मैं कुछ भी कहूं, तुम्हें लालच नहीं आना चाहिए। ट्रेलर का अंत आर माधवन की डरावनी मुस्कान के साथ होता है।

अजय देवगन ने टीजर को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, सदियों से सब कुछ चुपचाप देखता रहा, मूक गवाह भी। मैं रात हूं, मैं शाम हूं, मैं कायनात तम हूं। बनाता हूं, बिगाड़ता हूं, लोग कहते हैं...मैं नहीं हूं कोई भी। एक खेल है, क्या तुम खेलोगे? इस खेल का एक ही नियम है, चाहे मैं कुछ भी कहूं, मेरी बातों में मत आना।

इससे पहले टीजर को लेकर खास जानकारी सामने आई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजय देवगन की फिल्म शैतान के निर्माता अपने पहले टीजर के साथ दर्शकों के एक बड़े वर्ग तक पहुंचना चाहते हैं। यह एक सख्त डरावना कट है और इसमें कुछ चौंकाने वाले तत्व भी हैं। टीजर का डिजिटल लॉन्च आज ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर की रिलीज के साथ किया गया है।(आरएनएस)

जितेंद्र कुमार ने किया अपनी नई फिल्म लांत्रानी का ऐलान

वेब सीरीज पंचायत से दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता जितेंद्र कुमार को आखिरी बार श्रिया पिलगांवकर के साथ फिल्म ड्राई डे में देखा गया था।यह फिल्म बीते साल 22 दिसंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।अब जितेंद्र ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम लांत्रानी रखा गया है। फिल्म में जॉनी लीवर भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।इसके साथ फिल्म की रिलीज तारीख भी सामने आ चुकी है।

लांत्रानी सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर 9 फरवरी को होगा।जितेंद्र ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, लांत्रानी का मतलब है बड़ी बड़ी बातें करना। इस कहानी में है अनेक किरदार, लेकिन इन में से कौन है असल लांत्रानी, इस बात का खुलासा होगा 9 फरवरी को। देखिए लांत्रानी बिल्कुल फ्री सिर्फ जी5 पर।फिल्म में जिशु सेनगुप्ता भी हैं।

जितेन?द्र कुमार को जन?म 1 सितंबर 199० को राजस?थान के अलवर में हुआ था। उन्होंने आईआईटी खड?पुर से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। इसके बाद आईआईटी केजीपी में हिंदी प्रौद्योगिकी ड्रामाटिक्स सोसाइटी में कई मंचीय नाटक किए, जहां उन्होंने बिस्वपति सरकार से मुलाकात की, जिन्होंने अंतत- उन्हें 2०12 में टीवीएफ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

जितेंद्र कुमार एक भारतीय अभिनेता हैं जो द वायरल फीवर के कॉमेडी स्केच में अपनी भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने खुद को भारतीय वेब श्रृंखला की दुनिया के सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया है और अपने कई रोल?स जैसे जीतू, मुन्ना जज़्बाती, गिट्टू और अर्जुन केजरीवाल (अरविंद केजरीवाल का परौडी रोल) के लिए व्यापक रूप से जाने जाते है। (आरएनएस)

सुष्मिता सेन की आर्या 3: अंतिम वार 9 फरवरी को डिज्नी+ हॉस्टार पर होगी रिलीज

सुष्मिता सेन ने थ्रिलर सीरीज 'आर्या' से अपनी बड़ी वापसी कर ली है और अपने दमदार एक्टिंग से दर्शकों एक बार फिर मनोरंजीत करने की तैयारी पूरी है। तीसरा सीजन् की बात करे तो वह काफी अलग तरीके से खत्म हुआ था, जिससे कई सवाल बाकी थे। वहीं अब डिज्नी+हॉटस्टार ने आधिकारिक तौर पर 'आर्या सीजन् 3 फाइनल पार्ट' के ट्रेलर का रिलीज किया है।

राम माधवानी ने एक बयान में कहा, आर्या एक परियोजना से कहीं अधिक है; यह एक हार्दिक यात्रा है जो मेरे करियर में एक विशेष स्थान रखती है। इस श्रृंखला का निर्माण और सह-निर्देशन अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है, रचनात्मक सीमाओं और कहानी कहने की गहराई को बढ़ा रहा है। सीजन 3 है हमारी टीम के समर्पण का एक प्रमाण। जैसे ही हम अगले अध्याय का अनावरण कर रहे हैं, मैं गर्व और उत्साहित महसूस कर रहा हूं, इस असाधारण कहानी को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं।

उन्होंने आगे कहा, इस भाग में, आर्या इस हद तक टूट गई है कि उसका पुनर्जन्म लगभग हो गया है, और मेरा मानना है कि हर दर्शक को उसकी यात्रा देखकर सचमुच ठंड लग जाएगी। सिनेमैटोग्राफिक रूप से, आर्या अंतिम वार इस शैली के लिए एक नया पत्ता है। आर्या इस तरह खड़ी है मेरी निर्देशन यात्रा में यह एक उच्च बिंदु है, एक ऐसी कहानी जिसने मुझे चुनौती दी है और मुझे समृद्ध किया है।

सुष्मिता सेन ने कहा, आर्या मेरे दिल में एक गहरी जगह रखती है, और जैसा कि सीजन् 3 जारी है, यह मेरी आत्मा के दो टुकड़ों को एक साथ देखने जैसा है। डिजनी + हॉटस्टार पर आर्या का प्रत्येक एपिसोड एक ऐसी दुनिया की यात्रा है जो एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है मेरे अस्तित्व का। आर्या अंतिम वार के आगमन के साथ, आप आर्या का एक ऐसा पक्ष देखेंगे जो पहले देखी गई किसी भी चीज़ से परे है - गहराई, तीव्रता, नए घाव और उदासी जो संभवत- उसकी कहानी के निष्कर्ष को प्रेरित करती है।

उन्होंने आगे कहा, इस किरदार को निभाने से मुझे जितना मैंने कभी सोचा था उससे कहीं अधिक मिला है। मैं इस किरदार के गहन विकास और उस कहानी का अनुभव करने के लिए रोमांचित हूं जिसने मेरे दिल को इतनी गहराई से छू लिया है।

'आर्या सीजन 3' में विकास कुमार, माया सराओ, गीतांजलि कुलकर्णी, श्वेता पसरीचा, वीरेन वजीरानी, प्रत्यक्ष पंवार, आरुषि बजाज, भूपेन्द्र जादावत और विश्वजीत प्रधान भी हैं। राम माधवानी द्वारा निर्मित, 'आर्या सीजन 3' फाइनल पार्ट या 'आर्या अंतिम वात' 9 फरवरी, 2०24 को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

विद्युत जामवाल ने नोरा फतेही संग किया रोमांस

बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल पिछले कुछ समय से अपनी आने वाली स्पोर्ट्स-एक्शन फिल्म क्रैक को लेकर चर्चा में हैं।इसमें उनकी जोड़ी प्रसिद्ध अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। दिल झूम (पहला गाना) के बाद अब निर्माताओं ने क्रैक का दूसरा गाना जीना हराम जारी कर दिया है, जिसमें विद्युत और नोरा एक-दूसरे संग इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं।दोनों की शानदार केमिस्ट्री लोगों का दिल जीत रही है।

जीना हराम को विशाल मिश्रा और शिल्पा राव ने मिलकर गाया है तो वहीं इस गाने के बोल तनिष्क बागची ने लिखे हैं।क्रैक के निर्देशन की कमान आदित्य दत्त ने संभाली है। फिल्म का निर्माण विद्युत ने अपने होम प्रोडक्शन एक्शन हीरो फिल्म्स के तहत किया है।इसमें अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन भी अहम भूमिकाओं में हैं।विद्युत और नोरा की यह फिल्म 23 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

क्रैक... जीतेगा तो जीयेगा एक स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म है। यह मुंबई की झुग्गियों में होने वाले एक्सट्रीम स्पोर्ट्स और जज्बे की कहानी है। क्रैक में विद्युत जामवाल स्पोर्ट्स स्टंट्स और एक्शन करते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर विद्युत ने कहा था कि इस समय जैसी परिस्थितियां हैं, हमें अपनी सीमाओं को लांघना होगा। ऐसा काम करना होगा, जो बिल्कुल नया हो। इसीलिए हम एक्सट्रीम स्पोर्ट्स पर फिल्म लेकर आ रहे हैं।

संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की वध के सीक्वल पर लगी मुहर!

9 दिसंबर, 2०22 को आई फिल्म वध को दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी और इसने 6० लाख रुपये का कारोबार किया।इसमें संजय मिश्रा और नीना गुप्ता मुख्य भूमिका में नजर आए थे।दर्शक पिछले कुछ वक्त से वध के सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं।अब 54वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में लव फिल्म्स के निर्माताओं ने वध 2 की दूसरी किस्त पर मुहर लगा दी है।

निर्माताओं ने बताया कि वध के सीक्वल पर काम चल रहा है और फिल्म की शूटिंग अगले साल तक शुरू होगी।

लव फिल्म्स ने कहा, फिल्म वध को बहुत कम बजट में बनाया गया था और इसकी रिलीज सीमित थी, लेकिन इस फिल्म को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। हमने महसूस किया कि दर्शक इसके पात्रों, कहानी से जुड़ गए हैं, और अगली कड़ी देखना चाहेंगे तो हां हम सीक्वल पर काम कर रहे हैं।

फिल्म वध जसपाल सिंह संधू और राजीव बर्णवाल द्वारा लिखित और निर्देशित है। इसका निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है। इस फिल्म का नाम पहले ग्वालियर रखा गया था, लेकिन बाद में इसे बदल दिया गया। वध को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। वध की कहानी एक मासूम जोड़ी की है, लेकिन दोनों को मजबूरन एक ऐसा अपराध करना पड़ा है, जिसकी वे खुद भी कल्पना नहीं कर सकते।

इजराइल में भारतीय मजदूरों से छलावा कहीं गिरमिटिया पार्ट-2 न बन जाए?

भूपेन्द्र गुप्ता

गरीबी और बेरोजगारी कितनी भयावह होती है और कितने संत्रास में धकेल देती है,गिरमिट प्रथा इसका ऐतिहासिक प्रमाण है।जिसे अंग्रेज मालिकों ने 1834 में शुरू किया था। छलांग लगाती अर्थव्यवस्था की डींगे मारते हुए एक तरफ हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का दावा कर रहे हैं और दूसरी तरफ हजारों मजदूरों को युद्ध से घिरे संकटग्रस्त इजराइल में किसी सुरक्षा और मानवीय श्रम कल्याण कानूनों के पालन के बिना निर्माण श्रमिकों को भेजने के लिए भर्ती अभियान चला रहे हैं। यह देश में फैली भीषण बेरोजगारी पर देश की वस्तुस्थिति.है।

अभी उत्तर प्रदेश और हरियाणा सरकार ने निर्माण मजदूरों के इजराइल में भर्ती किए जाने के विज्ञापन निकाले हैं जिनमें अत्यंत आकर्षक वेतन लगभग एक लाख तीस हजार रुपए प्रतिमाह का जिक्र किया गया है ।राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा जारी प्रपत्रों में इसे %विदेश में सपनों का पासपोर्ट% बताया गया है। हरियाणा के रोहतक में हजारों की संख्या में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब आदि राज्यों से मजदूर पहुंच रहे हैं ,जहां इजराईली नियोक्ता उन्हें इंटरव्यू करने आ रहे हैं।। हालांकि वे नहीं जानते कि इस तरह की भर्ती में वे केंद्र सरकार के %ई-माईग्रेट%की सुरक्षा से वंचित भी किये गये.हैं।ई -माईग्रेट पर पंजीकृत श्रमिकों को सरकार कानूनी सुरक्षा प्रदान करती है।संकटग्रस्त क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों की इस आकर्षक तनख्वाह में से इजरायली नियोक्ता रहने खाने और बीमा के पैसे काट लेगा ।यह इजराईली मुद्रा में कितना होगा कोई नहीं जानता। मजदूर को आने जाने टिकिट के खर्च भी स्वयं ही वहन करने पड़ेंगे जबकि उसे राष्ट्रीय कौशल विकास निगम को भी भर्ती सेवा शुल्क के रूप में 1० हजार का भुगतान भी करना पड़ेगा।

देश में बेरोजगारी के भयानक संकट के बीच यह इस तरह की भर्ती है ,जिसमें सरकार कोई जिम्मेदारी उठाने के लिये तो तैयार नहीं है,फिर भी फेसिलिटेशन फीस बसूल रही है। इसे सपनों को सजीव करने का अवसर बता रही है।

बिना किसी कानूनी सहायता के इस तरह मजदूरों को संकट ग्रस्त क्षेत्रों में भेजना कहीं गिरमिटिया युग की शुरूआत तो नही कर देगा।जैसा अंग्रेजों ने 1834 में शुरू किया था जब भारतीय मजदूरों को आफ्रीकी देशों जैसे फीजी,ब्रिटिश गुयाना, डच गुयाना,सूरीनाम,ट्रिनिडाड,टोबेगा,नेटाल में गन्ने की खेती और शक्कर मिलों में काम करने के लिये ले जाया जाता.था।एक कागजी एग्रीमेंट के माध्यम से मजदूरों को ले जाने के इस एग्रीमेंट को गिरमिट और मजदूर को गिरमिटिया कहा जाने लगा और उन्हें गुलाम बना लिया गया था।

इतिहास में दर्ज है कि गिरिमिटियायों की भर्ती में सामान्यत=4० फीसदी महिलायें भी जातीं थीं ।काफी महिलायें मालिकों के शोषण का शिकार होतीं थी।गिरमिटिया स्त्री या पुरुष शादी नहीं कर सकता था और अगर कर ले तो उनकीं संताने भी मालिक की संपत्ति मानी जातीं थीं।वे एक नारकीय जीवन जीने पर मजबूर थे।12 से 18 घंटे काम करने वाले ये श्रमिक गिरमिट समाप्त हो.जाने पर वापिस भी नहीं.लौट पाते थे क्योंकि उनके पास वापिस आने के पेसे भी नहीं होते थे।इस अवस्था में या तो वे किसी दूसरे मालिक के गुलाम हो जाते थे या मालिकों द्वारा बेच दिये जाते थे।कितने गिरमिटिये समुद्री यात्रा में ही समुद्री बीमारियों से मर जाते थे।लेकिन कोई कानून इस दमन से सुरक्षा नहीं देता था।उनकी अकाल मौतें उनके परिवारों को निरंतर गुलामी के लिये विवश कर देती थी।

विदेशी धरती पर इस शोषण और दमन से गांधी जी ने संघर्ष किया और गोपालकृष्ण गोखले से मिलकर 1912 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल में इस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।तोताराम सनाड्य जैसे गिरमिटियों की पीड़ा और संघर्ष से विचलित गांधी जी ने भारत आकर दिसंबर 1916 में भारत सुरक्षा और गिरमिटिया अधिनियम कांग्रेस के अधिवेशन में रखा।जगह जगह प्रदर्शन हुए।व्यापक विरोध को देखते हुए अंग्रेजों को झुकना पड़ा और 12 मार्च 1917 में ब्रिटिश सरकार ने गिरमिट पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह भारतीय बेरोजगार श्रमिकों के न्याय की पहली लड़ाई थी।

इजरायल भेजे जाने वाले इन मजदूरों की भर्ती को भी इस ऐतिहासिक पीड़ा के संदर्भ में समझा जाना चाहिए। कानूनी सुरक्षा और मानवीय सुविधाओं के अभाव में मानव बल का भेजा जाना उन्हें खतरे में डालने वाला है।बीमारी की अवस्था में चिकित्सा खर्च भी अगर उनके खाते आता है तो मजदूर अंततः गुलाम ही बनेगा।

सरकार को चाहिये कि इन मजदूरों को सुरक्षा और वेतन की गारंटी इजरायल सरकार से प्राप्त करे अन्यथा यह एक तरह की कबूतर बाजी ही होगी जो सरकार की जानकारी में तो होगी लेकिन %ई-माईग्रेट %के सुरक्षा कवच के बिना होगी।

हमें सतर्क रहना चाहिये कि हमारी बेरोजगारी की विवशता का अन्य देश बेजा लाभ न उठा सके और यह भर्ती कहीं % गिरमिटिया पार्ट-2% न बन जाये।

(लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं)

सू- दोकू क्र.62

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.61 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

एकता का सूत्र

एक दिन विनोबा जी के पास कॉलेज के कुछ छात्र आए। उन्होंने छात्रों को कागज के कुछ टुकड़े देते हुए कहा- इन टुकड़ों को जोड़कर भारत का नक्शा बनाना है।

छात्र बहुत देर तक सिर खपाने के बाद भी उन टुकड़ों को जोड़कर नक्शा नहीं बना सके। पास ही एक नौजवान बैठा हुआ यह सब देख रहा था। कुछ साहस करके उसने विनोबा जी से कहा-यदि आप आज्ञा दें तो मैं इन टुकड़ों को जोड़ दूं। विनोबा जी की आज्ञा पाकर कुछ ही देर में उस युवक ने टुकड़े जोड़कर नक्शा बना दिया।

विनोबा जी ने उससे पूछा-तुमने इतनी जल्दी इन टुकड़ों को कैसे जोड़ दिया? युवक ने कहा-इन टुकड़ों में एक तरफ भारत का नक्शा है और दूसरी तरफ एक आदमी का चित्र। मैंने आदमी को जोड़ा, नक्शा अपने आप बन गया। यह सुनकर विनोबा जी बोले-बिल्कुल ठीक, यदि हमें देश को जोड़ना है तो पहले प्रत्येक नागरिक को जोड़ना होगा। देशवासी आपस में जुड़ेंगे तो देश अपने आप जुड़ जाएगा।

प्रस्तुति : जय गोपाल शर्मा

ईरान फैला रहा है लड़ाई!

श्रुति व्यास

ईरान बेरहम, दुस्साहसी हो रहा है। इजराइल-हमास युद्ध का फायदा उठाकर वहां के अयातुल्ला, पूरे इलाके में एक व्यापक लड़ाई छेडना चाहते हैं - मगर एक व्यापक लड़ाई छेड़े बगैर। आंतरिक उथलपुथल के एक लम्बे दौर के बाद ईरान दुनिया को फिर अपनी ताकत दिखा रहा है। सन 2०22 के अंत में हिजाब ठीक से न पहनने के जुर्म में गिरफ्तार एक महिला की हिरासत में मौत के बाद ईरान में आर-पार के प्रदर्शन हुए थे। लगने लगा था कि विरोध प्रदर्शनकारी कहीं सरकार को ही न उखाड़ फेंके। मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ और आज डेढ़ साल बाद, न गुस्सा बचा है न विरोध। यह 2०23 में नोबेल शांति पुरस्कार नरगिस उन मोहम्मदी को मिलने के बावजूद है जो ईरान में महिला एवं मानव अधिकारों के लिए आवाज़ उठाती रहीं हैं। उन्होने पिछले बीस सालों में अपनी ज़िन्दगी का अधिकांश हिस्सा जेलों में काटा है।

कुल मिलकर, मुल्लाओं की सरकार का पलड़ा फिर भारी है और नागरिक उनके चंगुल में। हाल में, ईरान को आर्थिक और राजनयिक मोर्चो पर भी कई सफलताएं मिली हैं। वह रूस के नज़दीक आया है और यूक्रेन के साथ लड़ाई के लिए रूस को हथियारों का प्रमुख सप्लायर बना है। तेल के निर्यात, विशेषकर चीन को, में भी बढोत्तरी हुई है। पिछले साल अगस्त में ईरान को ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया और सितम्बर में कैदियों की अदला-बदली के एक समझौते के तहत अमेरिका ने ईरान की 6 अरब डॉलर की संपत्ति, जो उसने फ्रीज़ कर रखी थी, को मुक्त कर दिया।

इस समय पश्चिम एसिया में जो युद्ध चल रहा है, उसमें ईरान बहुत होशियारी से अपने पत्ते खेल रहा है। वह अपनी ताकत का प्रदर्शन अमेरिकी और इजराइली ठिकानों को ईराक, लेबनान, सीरिया, यमन इत्यादि से निशाना बनाकर कर रहा है। यह वह 'एक्सिस ऑफ़ रेजिस्टेंस' है जिसे ईरान ने पिछले कई दशकों में काफी मेहनत से विकसित किया है। लन्दन स्थित एक थिंकटैंक 'इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज' के अनुसार ईरान ऐसे स्थानों में अपनी पैठ बनाता है जहाँ शासन कमज़ोर हो, जहाँ हथियार और लड़ाके आसानी से पहुंचाए जा सकें और जहाँ कोई बाहरी ताकत ईरान को चुनौती न दे सके। ईरान अब इस स्थिति में है कि वह खुद दूर रहकर भी हमास, हिज़बुल्लाह, ईराक के शिया मिलिशियाओं और यमन के हूतियों आदि का इस्तेमाल कर कहीं भी उत्पात मचा सकता है। ईरान की अपनी सेना बहुत मज़बूत नहीं है। मगर इस नेटवर्क ने ईरान को बहुत ताकतवर बना दिया है।

ईरान लम्बे समय से हमास का मददगार रहा है मगर पश्चिमी जानकारों के अनुसार, उसे हमास के 7 अक्टूबर के इजराइल पर हमले के बारे में पहले से पता नहीं था। मगर उसने हमास के दमन के विरुद्ध प्रतिरोध की धुरी को एक्टिवेट कर दिया है। हिज़बुल्लाह और इजराइल, क्रमशः ईरान और अमेरिका के खुले समर्थन से, एक दूसरे पर हमले कर रहे हैं। अब तक हिजबुल्लाह के 19 लड़ाके मारे जा चुके हैं।

हूती, जिनका यमन की राजधानी पर नियंत्रण है, बार-बार लाल सागर में तेल के टेंकरों पर हमले कर रहे हैं और 8०० किलोमीटर दूर तक वार करने वाली मिसाईलों से उन्हें निशाना बना रहे हैं। इससे बी ईरान को अपना दबदबा बढ़ाने का मौका मिला है क्योंकि स्वेज नहर से होने वाला व्यापार खतरे में पड़ गया है। उन्होंने इजराइल के बंदरगाह शहर ऐनात को निशाना बनाते हए तीन मध्यम दूरी की क्रूज मिसाईलें भी छोड़ीं और कई ड्रोन भी भेजे जिन्हें अमरीकी डिस्ट्रॉयर ने गिरा दिया। सीरिया और ईराक में ईरान समर्थित शिया लड़ाकों ने संघर्ष तेज कर दिया है और वे अमरीकी सैन्य अड्डों, जिनमें अमरीकी सैनिक रह रहे हैं, पर राकेटों और ड्रोनों से बार-बार हमले कर रहे हैं। पश्चिमी देश दो वजहों से हूतियों पर जवाबी हमले करने के इच्छुक नहीं हैं - पहला, इससे यमन के गृहयुद्ध में हुए युद्धविराम के खटाई में पड़ जाने का खतरा है, और दूसरा, हूतियों को पूरी तरह रोकना बहुत मुश्किल है। लेकिन हूतियों द्वारा बार-बार जहाजों पर किए जा रहे हमलों और उनके द्वारा अमरीकी हेलीकाप्टरों को निशाना बनाने से, अमरीकी अधिकारियों के मुताबिक, उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है। और अब ईरान ने पाकिस्तान के उन स्थानों को भी निशाना बनाया, जो उसके अनुसार पाकिस्तान में स्थित आतंकी शिविर थे।

शिया बहुमत वाला ईरान लंबे समय से खौल रहा है, विशेषकर जबसे सऊदी अरब और इजराइल के रिश्ते सुधरने शुरू हुए हैं। बहरीन, मोरक्को, सूडान और संयुक्त अरब अमीरात के इजराइल से मधुर कूटनीतिक संबंध स्थापित होने के बाद ईरान के अयातुल्लाओं को यह फूटी आंख नहीं सुहाएगा कि सुन्नी-नेतृत्व वाले मुस्लिम देशों और इजराइल का सहयोग और बढ़े। हमास के हमले और उसके बाद इजराइल द्वारा छेड़े गए युद्ध से ईरान को एक मौका हाथ लग गया है। यद्यपि ईरान पश्चिम और उसके मित्रों के साथ युद्ध नहीं चाहता लेकिन वह स्वयं इसके खतरे को बढ़ा रहा है।

इस बीच शांति के एक दौर के बाद ईरान की अंदरूनी राजनीति में दुबारा कटुता घुल गई है। देश के मूड को दर्शाते एक कार्टूनिस्ट में दिखाया गया है कि एक अयातुल्ला इजराइल का झंडा बिछा रहा है ताकि लोग उसे अपने तले कुचल सकें।बावजूद मगर देश आर्थिक मुसीबतों में फंसा हुआ है। क्लाइमेट चेंज का असर भी है। अमरीकी प्रतिबन्ध जारी हैं और चीन जैसे देश वहां निवेश करने के लिए तैयार बैठे हैं। सऊदी अरब निवेश करने से पहले यह वायदा चाहता है कि ईरान अपने मुख्तारों को समर्थन देना बंद कर दे। यह भी कहा जा रहा है खमेनी बहुत कमज़ोर हो गए हैं और लम्बे समय तक राजकाज नहीं चला सकेंगे। उनका उत्तराधिकारी तय नहीं है इसलिए कई ईरानियों को लगता है कि उत्तराधिकार को लेकर विवाद से सरकार कमज़ोर होगी। इसके बाद भी ईरान अपने आप को युद्ध में धकेल रहा है और पश्चिम और उसके साथियों के कोप का भाजन बन रहा है। ईरान ने जिस ढंग से 'एक्सिस ऑफ़ रेजिस्टेंस' को एक्टिवेट किया है, उससे ऐसा लगता है कि जल्द ही वह अकेला पड़ जायेगा । सो एक बड़ा, विनाशकारी युद्ध क्षितिज पर मंडरा रहा है। और दुनिया सांसत में है।

भाजपा विधायक ने शिवसेना नेता को पुलिस स्टेशन में मारी गोलियां

हमारे संवाददाता

महाराष्ट्र। भाजपा विधायक द्वारा पुलिस स्टेशन में शिवसेना नेता व उसके एक समर्थक पर गोलियां चलाये जाने से दोनो घायल हो गये। हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए भाजपा विधायक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया वहीं गम्भीर रूप से घायल शिवसेना नेता व उनके समर्थक का उपचार जारी है। वहीं डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। बताया जा रहा है कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता महेश गायकवाड़ और कल्याण ईस्ट विधानसभा सीट से भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ के बीच बीते कई दिनों से जमीनी विवाद चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कल्याण पूर्व के द्वारली परिसर में मौजूद संपत्ति पर मालिकाना हक को लेकर भाजपा विधायक और शिवेसना नेता के बीच विवाद चल रहा है। 31 जनवरी को भी इस विवाद में दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ था। जिसके बाद बीती शाम दोनों पक्ष उल्हासनगर के हिल लाइन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे थे। पुलिस स्टेशन में दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और तनातनी होने लगी। आरोप है कि इसके बाद भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने महेश गायकवाड़ और उनके सहयोगियों पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने बताया कि एक तरफ से गोलीबारी हुई, जिसमें दो लोग घायल हुए हैं। घटना के दौरान छह राउंड फायरिंग हुई।

घटना के तुरंत बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद पुलिस ने गोलीबारी करने के आरोपी भाजपा विधायक को हिरासत में लिया था, लेकिन आज सुबह भाजपा विधायक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। शिवसेना नेता को दो गोलियां लगी हैं, वहीं उनके साथी को भी दो गोलियां लगी हैं। शिवसेना नेता की हालत गंभीर बनी हुई है। भाजपा विधायक का आरोप है कि महेश गायकवाड़ और उनके समर्थकों ने उनके बेटे के साथ बदतमीजी की थी, जिसके चलते उन्होंने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुटी है। उल्हासनगर में पुलिस थाने में हुई फायरिंग की इस घटना के उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इस जांच के आदेश दिए हैं।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने तीन स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार तरूण विहार मोथरोवाला निवासी शशांक जुयाल ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद बाहर आया तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं चमनपुरी निवासी राम सुमरन यादव ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि चोरों ने उसके घर के बाहर से उसकी स्कूटी चोरी कर ली। इसके साथ ही माजरा मस्जिद वाली गली निवासी सययूर ने पटेलनगर कोतवाली में माजरा दुकान के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

युवती के विवाह में अडचन पैदा करने वाले दो भाईयों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। युवती के विवाह में अडचन पैदा कर उसका रिश्ता तुडवाने वाले दो सगे भाईयों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पश्चिमी वाला रोड निवासी युवती ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके रिश्ते की बात चल रही थी जिसके चलते उसको देखने व उनके परिवार जनों से मिलकर 21 जनवरी 2024 को रिश्ता करने हेतु लड़के के घर जा रहे थे जिसके चलते सुबह रोहित सिंह पुत्र सूरत सिंह निवासी ग्राम लोदन ओडगांव विकासखंड नौगांव उत्तरकाशी हाल निवास विकास नगर के द्वारा फोन से उसके भाई सुशील बहुगुणा एवं भतीजे राजेश बहुगुणा को रिश्ता न करवाने की धमकी देते हुए कॉल की जिसके उपरांत 29 जनवरी 2024 को उसके घर लड़के वालों को आना था 27 जनवरी 2024 को लगभग चार बजे अपराहन को इसके भाई आकाश चौहान के मोबाइल नंबर से जिस लड़के के साथ उसका रिश्ता होना था उसको कॉल करके उसके बारे में अभद्र टीका टिप्पणी की गई और उसके चरित्र पर लांछन लगाया और उस लड़कों को रिश्ता न करने की धमकी दी गई। जबकि इस व्यक्ति (रोहित) को उसके द्वारा समझाया गया था परंतु उसके उपरांत भी यह व्यक्ति अपनी अभद्रता से बाज नहीं आया। और यह उसको बार-बार फोन करता है और धमकी देता है कि यदि तूने कहीं और रिश्ता करा तो तुझे और तेरे परिवार को जान से मार दूंगा रिश्ते हेतु जहां भी उसकी बात चलती है वहां यह फोन करके उसके बारे में अभद्र टिप्पणी करता है जिससे वह रोहित से डरी हुई है उससे उसको और उसके परिवार वालों को अपनी जान का खतरा है। उक्त पूरे प्रकरण में उसका भाई आकाश भी शामिल है, जिसमें फोन करके उसका होने वाला रिश्ता तुड़वाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल बढाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल दो वर्ष तक बढाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के पदाधिकारी जिलाधिकारी कार्यालय में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में त्रिस्तरीय पंचायतें चुनी गयी थी। पंचायत के गठन होने के बाद 2 वर्ष तक कोविड-19 का प्रकोप रहा। इस कारण से दो वर्ष तक पंचायतों की सामान्य बैठक भी नहीं हो पायी। त्रिस्तरीय पंचायतों ने कोविड प्रकोप से अपने-अपने गांव को बचाने के लिए अनुकरणीय भूमिका निभाई। इन पंचायतों का मुख्य कार्य दो वर्ष तक ठप रहा। पंचायत एक्ट के अनुसार अगर पंचायतों की बैठक नहीं हुई तो उस कालखंड को पंचायतों के कुल कार्यकाल से नहीं जोडकर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तरखण्ड के 12 जनपदों के त्रिस्तरीय पंचायतों का दो वर्ष का कार्यकाल बढाया जाना एक्ट के अनुरूप है।

इस कार्यकाल के बढने से भविष्य में हरिद्वार के चुनाव भी शेष उत्तराखण्ड के साथ किए जाने की सम्भावना भी प्रबल हो जाएगी। राज्य के सभी 13 जिलों के पंचायतों के चुनाव एक साथ कराए जाने का प्रयास पूर्व में भी किया गया था लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग की है कि वह मुख्यमंत्री को उचित दिशा निर्देश जारी करें जिससे उत्तराखण्ड में भी एक राज्य एक चुनाव की परिकल्पना साकार हो सके।

8 फरवरी को राज्य आंदोलनकारी मनाएंगे अधिकार दिवसः धीरेंद्र

संवाददाता

देहरादून। चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के संरक्षक धीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान राज्य निर्माण आंदोलनकारियों को 10 प्रतिशत अक्षय आरक्षण नहीं दिया गया तो 8 फरवरी को आंदोलनकारी अधिकार दिवस मनांएगे।

आज यहां पत्रकारों से वार्ता करते हुए उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के केंद्रीय मुख्य संरक्षक धीरेंद्र प्रताप ने ऐलान किया है यदि 5 फरवरी से होने वाले विधानसभा सत्र में राज्य निर्माण आंदोलनकारी को 10 प्रतिशत अक्षय की आरक्षण नहीं दिया गया 8 फरवरी को राज्य भर में इसके विरोध स्वरूप अधिकार दिवस मनाएंगे। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि पानी सर से ऊपर निकल चुका है और यही कारण है कि अभी हाल की उनके गढ़वाल और कुमाऊं के दौरे में राज्य आंदोलनकारी का गुस्सा फूट पड़ा। धीरेंद्र प्रताप ने पौड़ी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का कांग्रेस में मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी उन्हें उम्मीदवार घोषित करती है तो वह अंकिता भंडारी काण्ड के मामले को इस शिद्दत से उठाएंगे इस संसद में एक दिन का भी सदन चलने नहीं देंगे। उन्होंने अंकिता भंडारी कांड को भारत के माथे पर कलंक बताया। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि उनके साथ कुछ लोग पार्टी में उम्मीदवारी की मांग कर रहे हैं परंतु उनको यह देखना चाहिए कि कुछ तो पहले हार चुके हैं इसलिए उनके टिकट का कोई हक नहीं बनता और बाकी जो टिकट मांग रहे हैं उनका इतना ऊंचा राजनीतिक कैरियर नहीं है कि वह उनके सम्मुख पार्टी की उम्मीदवारी कर सके। उन्होंने कहा कई लोगों में से ऐसे जिनका पहले टिकट दिया गया लेकिन उसमें बहुत मुश्किल से अपनी जमानत बचा पाए।

वर्ल्ड पीस मिशन के द्वितीय चरण का शुभारम्भ 4 फरवरी से

संवाददाता

देहरादून। वर्ल्ड पीस मिशन 2024 के द्वितीय चरण का चार फरवरी से शुभारम्भ होगा।

आज यहां वसुधेव कुटुम्बकम की मंगल भावना के साथ संस्कार परिवार देहरादून द्वारा द्वितीय वर्ल्ड पीस मिशन अभियान का शुभारम्भ 4 फरवरी से 14 फरवरी 2024 तक सिंगापुर, मलेशिया और थाइलैंड में योगाचार्य डा. बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में चलाया जायेगा।

इसी कड़ी में आज टपकेश्वर महादेव मंदिर के मुख्य पुजारी दिगंबर भरत गिरी महाराज के पावन सानिध्य में पौराणिक श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर और माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर में विशेष पूजा अर्चना पंडित भरत जोशी के पावन सानिध्य में की गई। आभियान संयोजक योगाचार्य डा. बिपिन जोशी ने बताया 2018 में अभियान का प्रथम चरण आरम्भ किया गया था जिसमें नेपाल, मलेशिया, थाइलैंड आदि देशों में

अभियान चलाया गया, अभियान के द्वितीय चरण में 5 फरवरी से 7 फरवरी सिंगापुर, 8 फरवरी से 10 फरवरी मलेशिया और 11 से 13 फरवरी तक थाइलैंड में आभियान चलेगा सभी धर्मों में जो सकारात्मक और रचनात्मक बाते बताई गई हैं उनको आत्मसात करना ही पड़ेगा जिस प्रकार से आज संपूर्ण विश्व आतंकवाद, अलगाहवाद, विस्तारवाद और हथियारों की होड़ से ग्रसित है और मानसिक रूप से परेशान है योग ध्यान और विश्व बंधुत्व के द्वारा ही आंतरिक शांति संभव है और आन्तरिक शांति से ही बाह्य शांति संभव है, अभियान दल को कल कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी रवाना करेंगे। जोशी भारतीय समाज के लोगो के लिए श्री राम मंदिर के स्वरूप, प्रसाद, देवभूमि उत्तराखंड का पवित्र गंगाजल और उत्तराखंडी टोपी भी ले जा रहें हैं वह भारतीय समाज सहित विदेशी मेहमानो को देवभूमि उत्तराखंड में योग, ध्यान अध्यात्म , आर्युवेद के लिए आमन्त्रित करेंगे। अभियान दल में डा. मथुरा दत्त जोशी, भगवती जोशी, योग शिक्षिका गीता जोशी, विमला जोशी आदि शामिल हैं।

एक नजर

सिविल जज ने सरकारी आवास पर लगाई फांसी

बदायूं (हसं)। सिविल जज जूनियर डिवीजन का शव आज सुबह सरकारी आवास में फंदे से लटके मिलने से पुलिस प्रशासन में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर जिला जज पंकज अग्रवाल, डीएम मनोज कुमार, एसएसपी आलोक प्रियदर्शी समेत कई न्यायिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस टीम ने आवास के कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से उतारा। घटना बदायूं शहर के जजी कालोनी की है। मूलता मऊ जिले की रहने वाली सिविल जज जूनियर डिवीजन ज्योत्सना राय पिछले एक साल से बदायूं में तैनात थी। वह अपनी अयोध्या जिले से दूसरी पोस्टिंग के बाद बदायूं आई थी। वह सरकारी आवास में रहती थीं। आज सुबह सिविल जज की चहल कदमी आस पड़ोस के रहने वाले अन्य न्यायिक अधिकारियों ने नहीं देखी तो अनहोनी की आशंका हुई। उनके कमरे का दरवाजा

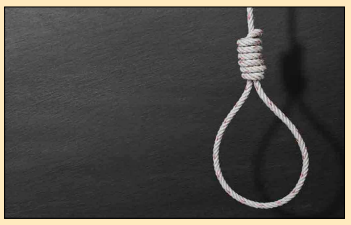

खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर सब सन्न रह गए। न्यायिक अधिकारियों ने घटना की जानकारी पुलिस अधिकारियों को दी। इस पर सिविल लाइंस कोतवाली इंस्पेक्टर पुलिस के साथ पहुंचे। इसके बाद जिला जज, डीएम और एसएसपी समेत भारी संख्या में न्यायिक कर्मी मौके पर पहुंच गए। पुलिस टीम ने सरकारी आवास के कमरे का दरवाजा तोड़ा। जहां सिविल जज जूनियर डिवीजन ज्योत्सना राय का शव फंदे से लटका हुआ मिला घटना को देख सब हैरान रह गए।

पाकिस्तान में चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर हुआ बम विस्फोट

कराची। पाकिस्तान में 8 फरवरी को संसदीय चुनाव होने वाले हैं, लेकिन उससे पहले चुनाव आयोग को ही बम से उड़ाने की कोशिश की गई है। डॉन के मुताबिक, इलेक्शन कमीशन के बाहर बम धमाका हुआ है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना शहर के सदर इलाके में हुई जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शहर में पोल पैनल कार्यालय

के पास एक शॉपिंग बैग में विस्फोटक सामग्री भी पाई गई है। विस्फोट की प्रकृति और इसके लक्ष्य के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन आशंका है, कि चुनाव आयोग के दफ्तर पर हमला कर चुनाव टालने की ये एक कोशिश हो सकती है। इससे पहले गुरुवार को पाकिस्तान का अशांत बलूचिस्तान प्रांत कम से कम 10 बम और ग्रेनेड हमलों से दहल उठा, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हमलों में कई पुलिस स्टेशनों और उपायुक्त कार्यालयों को निशाना बनाया गया है, जिसमें एक पुलिस अधिकारी और एक जेल वार्डन सहित छह लोग घायल हो गए।

नाइजीरिया के राजा की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। नाइजीरिया में एक फरवरी की रात महल में राजा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनकी पत्नी और एक अन्य शख्स को किडनैप कर लिया गया। हथियारबंद लोगों ने महल में घुसकर इस वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बंदूकधारी कौन थे। मिली जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने गुरुवार की रात रिटायर सेना जनरल और राजा सेगुन अरेमू के महल पर हमला कर दिया। इस दौरान उन्होंने राजा, जिन्हें कोरो का ओलुकोरो उपाधि दी गई है, की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ

दिन पहले लोगों ने बढ़ती आपराधिक घटनाओं से निपटने के लिए देश में इमरजेंसी की मांग की थी। लगभग 50 नागरिक समाज समूह यह चाहते थे कि राष्ट्रपति बोला टीनुबू यह ऐलान करें कि पिछले मई में उनके पदभार संभालने के बाद से 1800 से अधिक लोगों को किडनैप किया गया है। क्वारा राज्य के गवर्नर अब्दुल रहमान अब्दुल रजाक ने कोरो के ओलुकारो की हत्या की निंदा करते हुए इसे घृणित अपराध बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारी बंदूकधारियों को पकड़ लेंगे। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। बता दें कि इस हफ्ते की शुरुआत में अपहरणकर्ताओं ने एकिटी राज्य में पांच स्कूलों बच्चों और चार शिक्षकों को किडनैप कर लिया और उनकी रिहाई के लिए 100 मिलियन नायरा यानी 110,000 डॉलर की फिरौती की मांग की। इसके अलावा, राजधानी अबूजा के बवारी उपनगर में बुधवार की रात एक सरकारी अधिकारी का भी अपहरण किया गया था। हाल के वर्षों में नाइजीरिया में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं बढ़ गई हैं। बंदूकधारी लगातार लोगों को निशाना बना रहे हैं।

लूट में वांछित करण शिवपुरी गैंग का 25 हजार का ईनामी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। चार साल पहले ज्वैलर्स के यहां हुई लूट के मामले में वांछित चल रहे करण शिवपुरी गैंग के सदस्य 25 हजार के ईनामी शिव्वी को एसटीएफ ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पेशे से वकील है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2019 में थाना प्रेमनगर क्षेत्र में ज्वैलर्स की दुकान में लूट की घटना हुई थी। घटना में बदमाशों ने ज्वैलर्स देवेन्द्र पर फायर भी किया था लेकिन वह बाल-बाल बच गया था जिसके बाद बदमाश लॉकर से लगभग डेढ किलो सोना और दो लाख रूपये नगद लूटकर भाग गये थे। उक्त घटना में शामिलं कुख्यात करण शिवपुरी व सोनू यादव निवासी दिल्ली को पुलिस ने गिरफ्तार कर करीब आधा किलो सोना बरामद कर लिया था। इसके अलावा पुलिस ने घटना में शामिल सूर्यप्रकाश

सोनी, सतीश कुमार व सुमित यादव को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लेकिन गिरोह के ही शिवेन्द्र उर्फ शिव्वी पुलिस के हाथ नहीं लगा था जिसपर पुलिस ने 25 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया था।

पकडे गये बदमाशों ने पुलिस को बताया था कि उन्होंने लूटा गया सोना अपने साथी शिवेन्द्र सिंह दहिया उर्फ शिव्वी को दिया था जोकि फरार चल रहा था। गत दिवस एसटीएफ ने शिवेन्द्र दहिया उर्फ शिव्वी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। जिसने पूछताछ में बताया कि वह पेशे से वकील है तथा दिल्ली कोर्ट में वकालत करता है। वकालत के दौरान ही उसकी दिल्ली के कुख्यात नीरज बवाना गैंग से सम्पर्क हुआ। वकील होने के नाते कोई उसपर शक नहीं करता था तथा वह बदमाशों द्वारा लूटे गये सोना व कीमती सामान को खरीदने बेचने का काम करने लगा। पूर्व में दिल्ली पुलिस ने शिव्वी को 5 पिस्टल व 600 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। एसटीएफ ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जगतगुरु रामभद्राचार्य का हाल जानने अस्पताल पहुँचे कैबिनेट मंत्री जोशी

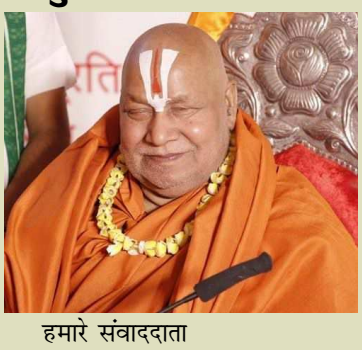

हमारे संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती जगतगुरु रामभद्राचार्य जी का हाल चाल जाना और उनके शीघ्र स्वास्थ स्वास्थ लाभ की कामना की। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भेंट के दौरान जगतगुरु रामभद्राचार्य का आशिर्वाद भी प्राप्त किया।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि गुरुदेव हमारी एक धरोवर हैं, उन्होंने कहा कि कल के मुकाबले आज उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार है। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी लगातार उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे है। उन्होंने जगतगुरु रामभद्राचार्य के शीघ्र स्वास्थ लाभ की कामना की।

दुकान का शटर तोडकर नगदी व मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान का शटर तोडकर वहां से नगदी व मोबाइल चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शास्त्रीनगर निवासी दिवाकर रतूडी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मुख्य मार्ग पर दुकान है। आज जब वह दुकान पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी दुकान का शटर टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से नगदी व मोबाइल चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नाईजिरियन को जेल में बितायी अवधि व 5 हजार रुपये जुर्माने की सजा

संवाददाता

देहरादून। साईबर ठगी के मामले मे दोषसिद्ध होने पर न्यायालय ने नाईजिरियन को जेल में बितायी अवधि व पांच हजार रूपये जुर्माने की सजा सुनायी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार 2021 में साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून को एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें मसूरी निवासी व्यक्ति के साथ इसी प्रकार की घटना घटित हुयी थी जिसमें अज्ञात लोगों द्वारा आंनलाईन ट्रैडिग कम्पनी फोरेक्सटाइम डॉट कॉम की फर्जी साइट एफएक्समार्टकेट डॉट कॉम बनाकर पीडित से फोन एंव ई-मेल के माध्यम से सम्पर्क कर एफएक्समार्टकेट डॉट कॉम में धनराशि इन्वेस्ट करने व दुगना लाभ कमाने का लालच देकर शिकायतकर्ता से 60 लाख रुपये धनराशि ऑनलाईन ट्रेडिग मे लगाना व उक्त ध नराशि को बिटकॉइन मे लगाकर शिकायतकर्ता के साथ धोखाधडी कर धनराशि को विभिन्न बैक खातो में प्राप्त कर एटीएम के माध्यम से आहरित करने सम्बन्धी शिकायत के आधार पर साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से आरोपियों द्वारा वादी मुकदमा से धोखाधडी से प्राप्त की गयी धनराशि दिल्ली एनसीआर के जिन एटीएम मशीनो से निकाली गयी थी उन एटीएम मशीनो की जानकारी प्राप्त कर उनकी सीसीटीवी फुटेज प्राप्त की गयी तो विभिन्न मशीनो से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज में एक नाइजीरियन व्यक्ति धनराशि निकालता पाया गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दिल्ली एनसीआर आदि स्थानो पर नाइजीरियन व्यक्ति की तलाश शुरु की गयी व गिरोह के 01 मुख्य सदस्य(सरगना) एर्नेस्ट माइकल ओन्हें पुत्र ओन्हें निवासी 18 इघिली स्ट्रीट बहिन सिटी एडोस्टेट नाइजिरिया को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। न्यायालय में केस विचारण के दौरान पुलिस ने ठोस साक्ष्य व गवाह पेश किये। ठोस साक्ष्य व गवाहों से न्यायालय में नाईजिरियन एर्नेस्ट माइकल ओन्ह पर दोषसिद्ध होने पर न्यायालय ने उसको जेल में बितायी अवधि की सजा और 5000 रुपये का जुर्माना के साथ ही, नाइजीरियाई को भारत से निर्वासन का आदेश भी दिया गया है।

मारपीट कर घायल करने पर पांच लोगों के खिलाफमुकदमा दर्ज

देहरादून। घर से निकालकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नया गांव निवासी कुमार हर्ष ने पटेलनगर कोतवाल में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर पर था तभी लोकेश, रजत, सुमित, रैनक तिवारी व शशि उसके घर में घुस आये और उसके साथ मारपीट करते हुए उसको घर के बाहर ले आये और हाकी, डण्डों से उसपर हमला कर उसको गम्भीर रूप से घायल कर जान से मारने की धमकी देकर चले गये।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।